

22 June, 2023

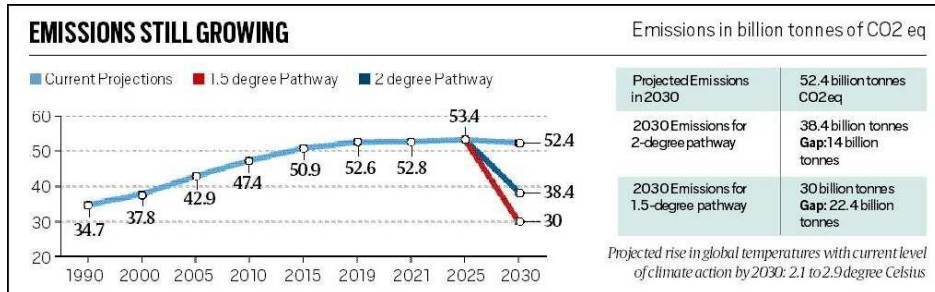
नया सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य (NCQG)

संदर्भ : जर्मनी में बॉन जलवायु सम्मेलन का उद्देश्य दुबई में COP28 के लिए राजनीतिक एजेंडे की रूपरेखा तैयार करना और जलवायु वित्त वास्तुकला की समीक्षा करना था।

- जर्मनी में बॉन जलवायु सम्मेलन का उद्देश्य दुबई में COP28 के लिए राजनीतिक एजेंडे की रूपरेखा तैयार करना और जलवायु वित्त वास्तुकला की समीक्षा करना था।
- सम्मेलन में जलवायु कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण फंडिंग अंतर पर प्रकाश डाला गया, जिससे जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण स्रोत और स्वरूप पर विकसित और विकासशील देशों के बीच लंबे समय से गतिरोध बना हुआ है।

नया सामूहिक परिमाणित लक्ष्य क्या है?

- विकासशील देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, 2025 तक जलवायु वित्तपोषण के लिए एक संदर्भ बिंदु निर्धारित करने के लिए 2015 पेरिस जलवायु समझौते में NCQG (नया सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य) स्थापित किया गया था।
- NCQG को सबसे महत्वपूर्ण जलवायु लक्ष्य माना जाता है, जो विकसित देशों से प्रतिबद्धता की सीमा को बढ़ाता है और नुकसान और क्षति के लिए बढ़ती धन आवश्यकताओं को संबोधित करता है।
- 2009 में विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के लिए प्रति वर्ष 100 बिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता पूरी तरह से पूरी नहीं की गई है, और भ्रामक रिपोर्टिंग और बड़े हुए आंकड़ों की चिंताएं हैं।
- आर्थिक विकास से होने वाले उच्च कार्बन उत्सर्जन के कारण विकसित देशों पर अधिक जिम्मेदारी आती है, लेकिन जलवायु वित्त कोष अक्सर पहुंच से बाहर होते हैं, विलंबित होते हैं और विकासशील देशों पर कर्ज और कर्ज का बोझ डालते हैं।
- विकसित देशों का तर्क है कि NCQG सभी देशों के लिए एक सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए, जिससे संभावित रूप से संसाधनों की कमी वाले विकासशील देशों पर नेट-शून्य मार्गों का बोझ डाला जा सके।
- निजी क्षेत्र के निवेश और ऋण जुटाने को कुछ देशों द्वारा जलवायु वित्त के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखा जाता है।
- COP28 में ग्लोबल स्टॉकटेक जलवायु कार्रवाई के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- NCQG पर सहमति की समयसीमा 2024 आ रही है और अनुमान है कि कम कार्बन अर्थव्यवस्था के लिए सालाना 4 ट्रिलियन डॉलर से 6 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक निवेश की आवश्यकता है।



जलवायु वित्तपोषण

- जलवायु वित्त का तात्पर्य शमन और अनुकूलन कार्यों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय सहायता के प्रावधान से है।
- UNFCCC, क्योटो प्रोटोकॉल और पेरिस समझौते में सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारी और संबंधित क्षमताओं (CBDR) के सिद्धांत के आधार पर विकसित देशों से विकासशील देशों को वित्तीय सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।
- COP26 में नई वित्तीय प्रतिबद्धताएं देखी गईं जिनका उद्देश्य विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल होने के उनके प्रयासों में सहायता करना है।
- COP26 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय कार्बन व्यापार तंत्र अनुकूलन पहलू के वित्तपोषण में योगदान देगा।
- उद्देश्य सुसंगत बना हुआ है, वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय संसाधन धनी देशों से कम संपन्न और अधिक कमजोर देशों की ओर प्रवाहित हो रहे हैं।

100 अरब का जलवायु वित्त और इसका महत्व

- 2009 में कोपेनहेगन में UNFCCC COP15 में विकसित देशों द्वारा 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।
- इसका उद्देश्य विकासशील देशों की जरूरतों के लिए 2020 तक प्रति वर्ष 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाने की प्रतिबद्धता के जरिए सार्थक शमन कार्रवाई और कार्यान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।
- लक्ष्य को कैनकन में UNFCCC COP16 में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी।

Face to Face Centres



22 June, 2023

- पेरिस में COP21 में, निरंतर वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को 2025 तक बढ़ा दिया गया था।
- COP26 के बाद, इस बात पर सहमति हुई कि विकसित देश 2019 के स्तर की तुलना में 2025 तक अनुकूलन वित्त के अपने सामूहिक प्रावधान को दोगुना कर देंगे।
- यह प्रतिबद्धता अनुकूलन और शमन प्रयासों के लिए वित्त पोषण के बीच संतुलन हासिल करने का प्रयास करती है।

कोयला और लिग्नाइट खदानों के लिए स्टार रेटिंग

प्रसंग: कोयला मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कोयला और लिग्नाइट खदानों के लिए स्टार रेटिंग पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की है।

- स्टार रेटिंग नीति सात प्रमुख मापदंडों के आधार पर खानों का मूल्यांकन करती है: खनन संचालन, पर्यावरण-संबंधित पैरामीटर, प्रौद्योगिकियों को अपनाना, सर्वोत्तम खनन प्रथाएं, आर्थिक प्रदर्शन, पुनर्वास और पुनर्वास, श्रमिक-संबंधित अनुपालन, और सुरक्षा और संरक्षा।
- पंजीकरण प्रक्रिया 30 मई 2023 को शुरू हुई और स्टार रेटिंग पोर्टल 01.06.2023 को खुला।
- भाग लेने वाली खदानों को 31 जुलाई, 2023 तक एक व्यापक स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- उच्चतम स्कोरिंग वाली शीर्ष 10% खदानों को एक समिति द्वारा किए गए निरीक्षण के माध्यम से आगे सत्यापन से गुजरना होगा, जबकि शेष 90% को ऑनलाइन समीक्षा प्रक्रिया से गुजरना होगा।
- सभी प्रतिभागी अन्य खानों की समीक्षा करके मूल्यांकन में योगदान दे सकते हैं।
- व्यापक समीक्षा को 31 अक्टूबर, 2023 तक अंतिम रूप दिया जाएगा।
- कोयला नियंत्रक समीक्षा आयोजित की जाएगी, और अंतिम परिणाम 31 जनवरी, 2024 तक प्रकाशित किए जाएंगे।
- पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए मूल्यांकन प्रक्रिया कोयला नियंत्रक संगठन द्वारा की जाएगी।
- स्टार रेटिंग कार्यक्रम का उद्देश्य कोयला और लिग्नाइट खनन के प्रदर्शन और स्थिरता को बढ़ाना, जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देना और क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है।
- दी गई रेटिंग फाइव स्टार से लेकर नो स्टार तक होती है, जो प्रत्येक खदान की उपलब्धियों का व्यापक मूल्यांकन प्रदान करती है।

कोयला और उसके प्रकार

पीट:

- नरम, भुरभुरा, गहरे भूरे रंग का पदार्थ जो पीढ़ियों से मृत और आंशिक रूप से सड़ने वाले कार्बनिक पदार्थों से बनता है।
- कोयले के निर्माण में पहला कदम, दबाव और तापमान के तहत धीरे-धीरे लिग्नाइट में परिवर्तित होना।
- सबसे कम कार्बन सामग्री (<60%) और ऊर्जा घनत्व 15 एमजे/किग्रा।
- कोयले में बदलने के लिए इसे तलछट द्वारा (4-10 किमी) गहराई में दबाया जाना चाहिए।

लिग्नाइट:

- 65-70% तक कार्बन सामग्री वाला भूरा कोयला।
- कोयले की निम्नतम गुणवत्ता, जिसमें कार्बन के अलावा सल्फर और पारा जैसे यौगिक अधिक मात्रा में होते हैं।
- सबसे युवा जीवाश्म ईंधन, लगभग 60 मिलियन वर्ष पुराना।
- 18 एमजे/किग्रा की अपेक्षाकृत कम ऊर्जा घनत्व।
- उच्च नमी सामग्री और कम कार्बन सामग्री के परिणामस्वरूप कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में वृद्धि होती है।

उप-बिटुमिनस:

- भूरा-काला या गहरा भूरा कोयला लिग्नाइट और बिटुमिनस कोयले के बीच एक मध्यवर्ती चरण का प्रतिनिधित्व करता है।
- कार्बन सामग्री 70-76% तक भिन्न होती है।
- लगभग 251 मिलियन वर्ष पुराना।
- लिग्नाइट की तुलना में लंबे समय तक दफनाने से 18-23 एमजे/किग्रा तक उच्च ऊर्जा घनत्व होता है।
- कोयला प्रकार का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, जो कोयला संसाधनों का 30% हिस्सा है।

बिटुमिनस:

- 76-86% तक कार्बन सामग्री के साथ कोयले की दूसरी उच्चतम गुणवत्ता।
- सबसे प्रचुर प्रकार और लगभग 300 मिलियन वर्ष पुराना।
- 27 एमजे/किग्रा की अपेक्षाकृत उच्च ऊर्जा घनत्व।
- स्टील और सीमेंट उत्पादन, बिजली उत्पादन और कोक उत्पादन के लिए आदर्श।

Face to Face Centres

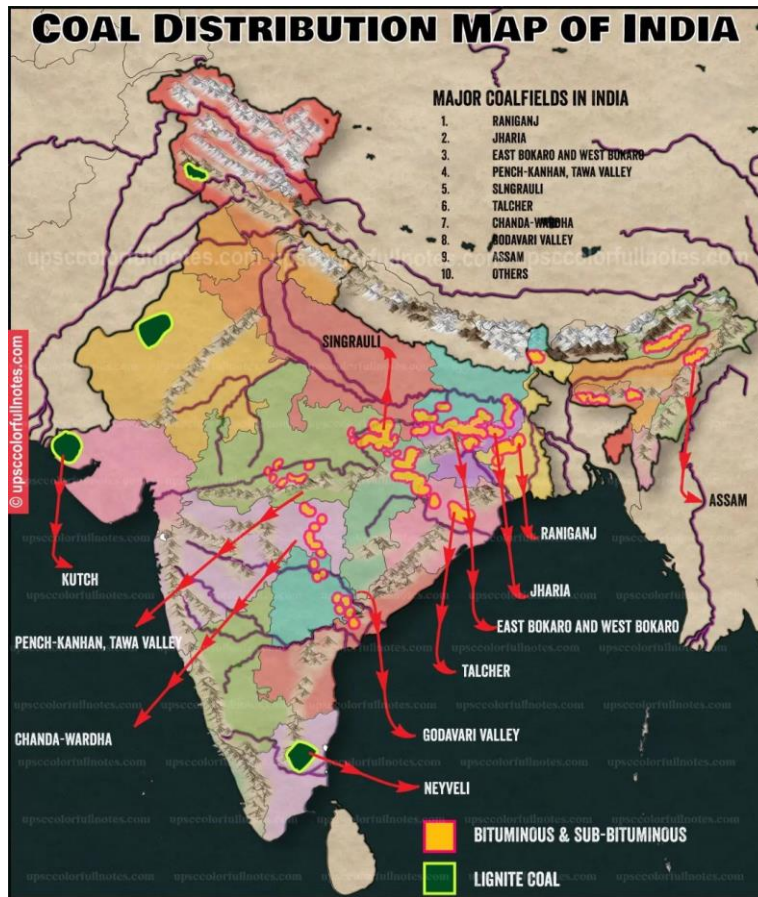




22 June, 2023

➤ उच्च कार्बन और कम नमी की मात्रा इसे विभिन्न औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त बनाती है।
एन्थ्रेसाइट:

- गहरा काला, लगभग 95% कार्बन सामग्री वाला उच्चतम गुणवत्ता वाला कोयला।
- कम नमी सामग्री के साथ बहुत कठोर।
- 350 मिलियन वर्ष पहले दफन बायोमास से निर्मित।
- 33 एमजे/किग्रा की असाधारण उच्च ऊर्जा घनत्व।
- उच्च तापमान पर जलता है और महत्वपूर्ण ऊर्जा छोड़ता है।
- कम धुआं उत्पादन के साथ स्वच्छ जलने के गुण।
- इसके स्वच्छ और कुशल जलने के कारण अंतरिक्ष हीटिंग और घरेलू हीटिंग स्टोव के लिए उपयोग किया जाता है।



वैश्विक लिंग सूचकांक

संदर्भ: विश्व आर्थिक मंच (WEF) की जेंडर गैप रिपोर्ट 2023 के अनुसार, लैंगिक समानता के मामले में भारत 146 देशों में से आठ पायदान ऊपर चढ़कर 127वें स्थान पर पहुंच गया है।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष

- भारत ने जन्म के समय लिंग अनुपात में 1.9 प्रतिशत अंक का सुधार दिखाया है, जिससे धीमी प्रगति की अवधि के बाद लिंग समानता में वृद्धि हुई है।
- जन्म के समय लिंग अनुपात में गिरावट के कारण वियतनाम, अज़रबैजान, भारत और चीन की स्वास्थ्य और जीवन रक्षा उप-सूचकांक पर समग्र रैंकिंग कम है।
- भारत में जन्म के समय लिंग समानता 92.7% है, जो पिछले संस्करणों से सुधार है, लेकिन 94.4% समानता वाले शीर्ष स्कोरिंग देशों की तुलना में अभी भी कम है।
- वियतनाम, चीन और अज़रबैजान में जन्म के समय लैंगिक समानता 90% से कम है।

Face to Face Centres





DHYEYA IAS®
most trusted since 2003

DAILY pre PARE

Current affairs summary for prelims

22 June, 2023

- दक्षिणी एशियाई क्षेत्र ने 63.4% लैंगिक समानता हासिल की है, जो आठ क्षेत्रों में दूसरा सबसे कम है।
- भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे आबादी वाले देशों में सुधार के कारण पिछले संस्करण के बाद से दक्षिण एशियाई क्षेत्र का स्कोर 1.1 प्रतिशत अंक बढ़ गया है।

ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स

- विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा 2006 में शुरू किया गया वैश्विक लिंग अंतर सूचकांक एक दीर्घकालिक सूचकांक है जो समय के साथ लिंग अंतर को कम करने में प्रगति को ट्रैक करता है।
 - दुनिया भर में लैंगिक समानता मापने के लिए इसका लगातार उपयोग किया जाता रहा है।
- सूचकांक चार प्रमुख आयामों में लैंगिक समानता का आकलन करता है:
 - आर्थिक भागीदारी और अवसर
 - शिक्षा प्राप्ति
 - स्वास्थ्य और जीवन रक्षा
 - राजनीतिक अधिकारिता
- इनमें से प्रत्येक आयाम, साथ ही समग्र सूचकांक को 0 से 1 तक का स्कोर दिया गया है।
 - 1 का स्कोर पूर्ण लिंग समानता को दर्शाता है।
 - 0 का स्कोर पूर्ण लैंगिक असमानता को दर्शाता है।
- सूचकांक का उद्देश्य क्रॉस-कंट्री तुलनाओं को सुविधाजनक बनाना और लिंग अंतर को संबोधित करने के लिए प्रभावी नीतियों की पहचान करना है।
- लैंगिक समानता की वर्तमान स्थिति और विकास को बेंचमार्क करके, सूचकांक का उद्देश्य उन रणनीतियों के कार्यान्वयन का समर्थन करना है जो लैंगिक समानता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं।

विश्व आर्थिक मंच

- विश्व आर्थिक मंच (WEF):
 - स्विट्स गैर-लाभकारी फाउंडेशन की स्थापना 1971 में हुई।
 - इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।
 - स्विट्स अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त।
- WEF का मिशन:
 - विश्व की स्थिति सुधारें।
 - वैश्विक, क्षेत्रीय और उद्योग एजेंडा को आकार देने के लिए व्यावसायिक, राजनीतिक, शैक्षणिक और अन्य नेताओं को शामिल करें।
- संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष: क्लाउस श्वाब
- WEF द्वारा प्रकाशित प्रमुख रिपोर्ट:
 - ऊर्जा संक्रमण सूचकांक
 - वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट
 - वैश्विक आईटी रिपोर्ट (इनसीड और कॉर्नेल विश्वविद्यालय के साथ सह-प्रकाशित)
 - ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट
 - वैश्विक जोखिम रिपोर्ट
 - वैश्विक यात्रा और पर्यटन रिपोर्ट
- WEF रिपोर्ट का उद्देश्य:
 - वैश्विक मुद्दों पर अंतर्दृष्टि और विश्लेषण प्रदान करें।
 - अनुशासनात्मक प्रस्तुत करें और हितधारकों के बीच संवाद को बढ़ावा दें।
 - ऊर्जा, प्रतिस्पर्धात्मकता, प्रौद्योगिकी, लैंगिक समानता, जोखिम मूल्यांकन और यात्रा और पर्यटन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029



dhyeyaias.com



22 June, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

सुपरकैपेसिटर



संदर्भ: हाल ही में, गुजरात ऊर्जा अनुसंधान और प्रबंधन संस्थान (जीईआरएमआई) के वैज्ञानिकों ने समुद्री शैवाल का उपयोग करके एक अभूतपूर्व कागज-आधारित सुपरकैपेसिटर विकसित किया है।

मुख्य विशेषताएं:

- इस सुपरकैपेसिटर में उच्च तन्वयता ताकत, तेज चार्जिंग/डिस्चार्जिंग चक्र, उच्च शक्ति घनत्व और लंबा जीवनचक्र है। यह किसी डिवाइस को 10 सेकंड के भीतर पूरी तरह चार्ज कर सकता है।
- शोधकर्ताओं ने समुद्री शैवाल से सेल्यूलोज नैनोफाइबर निकाले और उन्हें एनोडिक पेपर सुपरकैपेसिटर बनाने के लिए ग्राफीन ऑक्साइड और ज़िंक ऑक्साइड में बदल दिया।

सुपरकैपेसिटर क्या है?

- सुपरकैपेसिटर एक प्रकार का ऊर्जा भंडारण उपकरण है जो विद्युत ऊर्जा को जल्दी से संग्रहीत और जारी कर सकता है।
- यह एक तेजी से चार्ज होने वाली बैटरी की तरह है जो जरूरत पड़ने पर तेजी से बिजली पहुंचा सकती है।
- इसका उपयोग आमतौर पर उन अनुप्रयोगों में किया जाता है जिनके लिए तेजी से ऊर्जा हस्तांतरण की आवश्यकता होती है, जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बिजली देना या हाइब्रिड वाहनों में ऊर्जा का त्वरित ज्वलन प्रदान करना।
- यह समुद्री शैवाल, विशेष रूप से हरे समुद्री शैवाल (क्लोरोफाइटा) से निकाले गए सेल्यूलोज नैनोफाइबर से बनाया गया है।

समुद्री शैवाल का वर्गीकरण:

- क्लोरोफाइटा (हरा), रोडोफाइटा (लाल) और फ्रियोफाइटा (भूरा)
- हरी समुद्री शैवाल में सेल्यूलोज की मात्रा अधिक होती है।

सुपरकैपेसिटर के अनुप्रयोग:

कागज-आधारित सुपरकैपेसिटर में इलेक्ट्रॉनिक्स, मेमोरी बैकअप सिस्टम, एयरबैग, भारी मशीनरी और इलेक्ट्रिक वाहन सहित अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला है।

सुपरकैपेसिटर बनाम बैटरी:

- सुपरकैपेसिटर ऊर्जा भंडारण उपकरण हैं, जो ऊर्जा को इलेक्ट्रोस्टैटिक रूप से संग्रहीत करते हैं, तेजी से चार्ज और डिस्चार्ज करते हैं, उच्च शक्ति घनत्व और लंबे जीवन काल वाले होते हैं।
- दूसरी ओर, बैटरियां रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से ऊर्जा संग्रहीत करती हैं, अधिक धीरे-धीरे चार्ज और डिस्चार्ज होती हैं, उनका ऊर्जा घनत्व अधिक होता है तथा उनका जीवनकाल भी सीमित होता है।

इसमें शामिल वैज्ञानिक: प्रियांक भूटिया और सैयद ज़हीर हसन

शोध निष्कर्ष: बायोनैनोसाइंस जर्नल में प्रकाशित

उत्तराखंड में बाघों की मौत



संदर्भ: हाल ही में, उत्तराखंड में पिछले छह महीनों में कुल 16 बाघों की मौत हो गई है, जिससे पर्यावरण मंत्रालय ने चिंता जताई है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण:

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत भारत सरकार द्वारा स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- इसका गठन वर्ष 2005 में देश में बाघों और उनके आवासों के संरक्षण और सुरक्षा के प्राथमिक उद्देश्य से किया गया था।
- एनटीसीए बाघ संरक्षण पहल को लागू करने के लिए राज्य सरकारों, स्थानीय समुदायों और विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है।

उत्तराखंड में बाघों की आबादी: हालिया बाघ गणना के अनुसार, 420 से अधिक बाघ

बाघों की मौत के कारण:

- बड़ी बिल्लियों के बीच क्षेत्रीय लड़ाई
- बाघों के बीच क्षेत्रीय लड़ाई:
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष
- पर्यावास हानि और विखंडन
- दुर्घटनाएं और प्राकृतिक कारण

भारत में बाघों का संरक्षण:

- भारत सरकार द्वारा अप्रैल 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर लॉन्च किया गया था।
- भारत ने लक्ष्य वर्ष 2022 से चार साल पहले तथा वर्ष 2018 में बाघों की आबादी दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल कर लिया।
- वर्ष 2018 की बाघ जनगणना में बाघों की आबादी में वृद्धि देखी गई।
- भारत बाघ अभयारण्य वाले 13 देशों में से एक है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करना है।
- वर्ष 2018 बाघ जनगणना के अनुसार भारत में लगभग 2,967 बाघ हैं।

प्रोजेक्ट टाइगर:

- इसे जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड से लॉन्च किया गया।

Face to Face Centres





22 June, 2023

	- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) की चल रही योजना। - विभिन्न राज्यों के नौ रिजर्वों में लागू। - वर्ष 2006 में एक संशोधन के माध्यम से प्रोजेक्ट टाइगर को राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) में परिवर्तित कर दिया गया। - एनटीसीए बाघ संरक्षण के लिए पारिस्थितिक और प्रशासनिक चिंताओं को संबोधित करता है।
वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा 	संदर्भ: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मध्य प्रदेश में छह दिवसीय 'वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा' का शुभारंभ करेंगे। यात्रा का उद्देश्य: आदिवासी आबादी के बीच रानी दुर्गावती की विरासत के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना और बढ़ावा देना। मध्य प्रदेश में आदिवासी आबादी: राज्य की आबादी में 21% आदिवासी हैं और 230 विधानसभा सीटों में से 47 उनके लिए आरक्षित हैं। वीरांगना रानी दुर्गावती के बारे में: - रानी दुर्गावती का जन्म 5 अक्टूबर, 1524 को उत्तर प्रदेश के कालंजर में प्रसिद्ध चंदेल वंश के राजा कीर्त राय के परिवार में हुआ था। - उन्होंने अपनी राजधानी सिंगोरागढ़ किले से मध्य प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र चौरागढ़ में स्थानांतरित कर दी थी। - वह झीलों, कुओं, जलाशयों के निर्माण और विद्वानों के लिए सहायता सहित विभिन्न लोक कल्याण कार्यों में काफी सक्रिय थी। - रानी दुर्गावती ने आक्रमणों के खिलाफ सफलतापूर्वक अपने राज्य की रक्षा की, जिसमें अफगान सरदारों और सुजात खान के उत्तराधिकारी बाज बहादुर के हमलों को विफल करना भी शामिल था। - वर्ष 1562 में, आसफ खान के नेतृत्व में मुगल सेना ने उनके राज्य पर आक्रमण किया तथा संख्या में कम होने और आधुनिक हथियारों का सामना करने के बावजूद, रानी दुर्गावती ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी लेकिन अंततः आत्मसमर्पण से बचने के लिए खुदकुशी कर लिया। 24 जून 1564 को उनकी शहादत को "बलिदान दिवस" के रूप में मनाया जाता है और उनकी समाधि जबलपुर के बरेला में स्थित है।
समाचारों में स्थान	हिंदू कुश हिमालय (HKH) संदर्भ: हाल ही में, इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की एक नई रिपोर्ट से पता चलता है कि हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) में ग्लेशियर द्रव्यमान में 65% तेजी से गिरावट का अनुभव हुआ है। भौगोलिक अवस्थिति: - हिंदू कुश हिमालय पूरे मध्य एशिया में फैला है, जिसमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, नेपाल, भूटान और चीन के कुछ हिस्से शामिल हैं। - इसमें एक विशाल पर्वत शृंखला शामिल है, जो दक्षिण एशिया और मध्य एशिया के बीच प्राकृतिक सीमा के रूप में कार्य करती है। हिंदू कुश हिमालय क्या है? - हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) दक्षिण एशिया में स्थित एक सीमा पार पर्वत शृंखला है, जो कई देशों में फैली हुई है। - यह एक विशाल पर्वतीय प्रणाली है, जो पश्चिम में अफगानिस्तान से लेकर पूर्व में म्यांमार तक लगभग 3,500 किलोमीटर (2,175 मील) तक फैली हुई है। - यह एक विविध और पारिस्थितिक रूप से समृद्ध क्षेत्र है जो अपनी ऊंची चोटियों, ग्लेशियरों और अद्वितीय जैव विविधता के लिए जाना जाता है। - हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) क्षेत्र को "तीसरे ध्रुव" के रूप में भी जाना जाता है, जिसे अक्सर उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के बाद पृथ्वी पर बर्फ और हिम के तीसरे सबसे बड़े भंडार के रूप में वर्णित किया जाता है। पारिस्थितिकीय महत्व: - यह 16 एशियाई देशों से होकर बहने वाली 12 नदियों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत के रूप में कार्य करता है, जो इसे लाखों लोगों के भरण-पोषण के लिए आवश्यक बनाता है। - इसके ग्लेशियर प्राकृतिक जल भंडार के रूप में कार्य करते हैं, जो नदियों, झीलों तथा भूमिगत जलभृतों को मीठे पानी की निरंतर आपूर्ति प्रदान करते हैं। - क्षेत्र के विविध पारिस्थितिकी तंत्र पौधों और जानवरों की प्रजातियों की एक विस्तृत शृंखला का समर्थन करते हैं, जिनमें लुप्तप्राय और स्थानिक प्रजातियां भी शामिल हैं। एचकेएच क्षेत्र जलविद्युत उत्पादन के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा का एक स्रोत है। 

